an>

Title: Need to tackle floods caused by rivers originating from Nepal.

श्री संतोष कुमार (पूर्णिया) ः पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष में बिहार के उत्तर-पूर्व क्षेत्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की नदियों में मानसून के कारण आई बाढ़ के कारण प्राकृतिक आपदा से जान एवं माल का भारी नुकसान हो रहा है। अभी तक कोसी, घाघरा, कन्हैई, बागमती, महानंदा एवं गंडक नदियों में आई बाढ़ उत्तरी बिहार तथा उत्तर-पूर्व बिहार को अपनी चपेट में ले चुकी है। इसके कारण बिहार के लगभग 12 जिलों में 3.39 लाख हैक्टेयर भूमि एवं 30 लाख लोग बाढ़ के कारण उजड़ गये हैं। भारत का उत्तर-पूर्वी भाग आज प्राकृतिक आपदा का शिकार हो चुका है। देश में प्राकृतिक आपदा के प्रकोप से प्रायः इन भागों में प्रतिवर्ष फसल बर्बाद हो जाती है। एसेसेमेंट रिपोर्ट के अनुसार देश में बाढ़ द्वारा प्रतिवर्ष 10 मिलियन डॉलर की हानि होती है। नेपाल से बहकर आने वाली नदियां इस आपदा का कारण होती हैं। इन नदियों के जल प्रवाह की धारा को नेपाल सरकार से समझौता कर नियंत्रित कर प्रबंधन में लाये जाने की जरूरत है।

अतः मेरा आग्रह है कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए उक्त समझौता करें और तुरंत हल के लिए बाढ़ पीड़ित लोगों की आर्थिक मदद के लिए सहायता राशि प्रदान करने का कष्ट करें।